

## 10. कैदी और कोकिला

### प्र.1 कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर कोयल की कूक सुनकर कवि को लगा कि वह बावली हो गई है। वह कुछ कहते हुए कवि को निरंतर लड़ते रहने की प्रेरणा देना चाहती है।

राष्ट्रीय चिंतन में संलग्न कवि के मन को आभास होता है कि शायद कोयल ने दावानल अर्थात् क्रांति की लपटें देख ली हैं, जिसकी सूच देने के लिए वह चीख रही है या कवि के कष्टों को देखकर आँसू बहा रही है।

### प्र.2 कवि ने कोकिला के बोलने के पीछे किन कारणों की संभावना व्यक्त की है?

उत्तर कवि ने कोकिला के बोलने के पीछे निम्नलिखित कारणों की संभावना व्यक्त की है

(i) अंग्रेजों द्वारा भारतीयों की अमानवीय प्रताड़ना देख लेना।

(ii) चारों ओर भीषण अत्याचार और विषमता का तांडव देख लेना।

(iii) कवि के शरीर एवं हाथों में लोहे की जंजीरें देख लेना।

(iv) कवि की दीन-दशा देख लेना।

### प्र.3 किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

उत्तर अंग्रेजी शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है। क्योंकि अंग्रेजी शासन स्वतंत्रता सेनानियों एवं कानूनी अपराधियों के बीच अंतर किए बिना समान दंड देता है। कवि को अन्य अपराधियों की तरह ही कोल्हू के बैल की जगह जोतकर उससे श्रम कराया जाता है। वे अन्य भारतीयों पर भी घोर अत्याचार करते थे।

### प्र.4 कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर पराधीन भारत में अंग्रेजी शासन ने यंत्रणा के कई कठोर एवं अमानवीय तरीके अपना रखे थे। वे राजनैतिक कैदी और चोर-लुटेरों को एक साथ रखते थे। उनका शरीर लोहे की जंजीरों से बँधा तथा हाथ में हथकड़ी होती थी। उन्हें कम भोजन देकर उनसे पशुओं की

## 10. कैदी और कोकिला

भाँति मेहनत कराई जाती थी। बैलों के स्थान पर कैदियों को जुए में जोता जाता था और उनसे पत्थर तुड़वाए जाते थे।

### प्र.5 भाव स्पष्ट कीजिए

(क) मृदुल वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!

(ख) हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कुँआ।

उत्तर (क) कवि कहता है कि संसार में कई तरह के भयानक कष्टों के बीच जब कोमल, सुकुमार माधुर्य स्वर से भरी कोयल की वाणी सुनाई पड़ती है, तो सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। कवि के अनुसार, कोयल की यही विशेषता उसे सर्वाधिक मृदु वाणीयुक्त पक्षी बनाती है। कोयल अपने इस मृदुल वैभव को बचाए रखती है।

(ख) कवि जेल के यातनापूर्ण जीवन का वर्णन करता हुआ कहता है कि अपने पेट पर कोल्हू के बैल वाला जुआ बाँधकर पुर या चरसा खींचते हुए उसे ऐसा प्रतीत होता है कि वह अंग्रेजों के दर्प-कूप को निरंतर रिक्त करता जा रहा है अर्थात् वह अंग्रेजी सल्तनत को चुनौती दे रहा है।

### प्र.6 अर्द्ध-रात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

उत्तर अर्द्ध-रात्रि में कोयल की चीख से कवि को अंदेशा होता है कि स्वतंत्रता सेनानियों के ऊपर हो रहे घोर अत्याचार को देखकर कोयल का हृदय भी करुणा से भर उठा होगा। कैदियों पर होने वाले अत्याचार एवं उनकी वेदना और दुःख के कारण कोयल चीखी होगी।

### प्र.7 कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

उत्तर कवि कहता है कि हे कोयल! तुम्हें प्रकृति की सारी हरियाली और संपूर्ण आकाश विचरण करने के लिए प्राप्त है, लेकिन मैं दस फुट के तंग स्थान में रह रहा हूँ। कोयल के गीतों की प्रशंसा संपूर्ण संसार करता है, जबकि इस कारागार में कवि का रونا भी अपराध की श्रेणी में गिना जाता है। इसी बोध के कारण कवि कोयल से ईर्ष्या करता है।

## 10. कैदी और कोकिला

**प्र.8 कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की कौन-सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें वह अब नष्ट करने पर तुली है?**

उत्तर कवि के स्मृति-पटल पर कोयल की अपनी मृदुल एवं वैभव-संपन्न वाणी से श्रोता के मन में करुणा जगाने वाली, शांतिकाल में अपना गीत गाने वाली, अपने गीतों से संसार को खुशी से भर देने वाली, मदमस्त कर देने वाली छवि अंकित है, जिसे वह अब नष्ट करने पर तुली है, क्योंकि जब मातृभूमि अशांत एवं पीड़ित हो, तो वह भला मधुर गीत कैसे गा सकती है?

**प्र.9 हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?**

उत्तर कवि ने हथकड़ियों को गहना इसलिए कहा है, क्योंकि कवि स्वाधीनता सेनानी है, उसने देश की स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाई है। मातृभूमि की सेवा के फलस्वरूप यदि अंग्रेज़ों ने उन्हें बंदी बनाकर हथकड़ी पहना दी है, तो यह किसी आभूषण से कम नहीं है। यह मातृभूमि की सेवा का फल है। स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु मिली हथकड़ियाँ उसने गहना समझकर स्वीकार की हैं।

**प्र.11 काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए**

**(क) किस दावानल की ज्वालाएँ हैं दीखीं?**

**(ख) तेरे गीत कहाँ वाह, रोना भी है मुझे गुनाह! देख विषमता तेरी-मेरी, बजा रही तिस पर रणभेरी!**

उत्तर (क) 'दावानल की ज्वालाएँ' में रूपकातिशयोक्ति अलंकार तथा उपमा अलंकार हैं। कवि ने कोयल को अपने समकक्ष रखकर उसका मानवीकरण कर दिया है। चीखना मनुष्य का लक्षण है, परंतु कवि ने कोयल को भी इस श्रेणी में रख दिया है। इन पंक्तियों में प्रतीक योजना लक्षित है। तद्भव शब्दों का विशेष प्रयोग हुआ है।

(ख) कवि यहाँ अपने एवं कोयल के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहता है कि हे कोयल! तुम्हारे गीत सभी के द्वारा प्रशंसित हैं, जबकि उसका रुदन भी किसी के लिए

## 10. कैदी और कोकिला

महत्त्वपूर्ण नहीं है। यहाँ तुलनात्मक शैली का अच्छा प्रयोग है। 'तेरी मेरी' और 'रणभेरी' में तुकांत का विशिष्ट प्रयोग है। कवि ने तुलना कर कोयल का मानवीकरण किया है।

### रचना और अभिव्यक्ति

**प्र.1 कवि जेल के आस-पास अन्य पक्षियों का चहकना भी सुनता होगा, लेकिन उसने कोकिला की ही बात क्यों की है?**

उत्तर कोयल को प्रायः शांत स्वभाव का पक्षी माना जाता है। वह दौर पराधीनता का दौर था। भारत अंग्रेजों के अधीन था। इस अशांत एवं अंधकारपूर्ण समय में कोयल की वाणी में भी शांत-भाव का स्वर नहीं था, जिसने कवि को आश्चर्य में डाल दिया। कोयल में आए इस अप्राकृतिक एवं अस्वाभाविक परिवर्तन के कारण ही कवि ने कोयल को महत्त्व दिया।

**प्र.2 आपके विचार से स्वतंत्रता सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा?**

उत्तर अंग्रेज यह नहीं चाहते थे कि भारत में स्वाधीनता की लड़ाई सफल हो, इसलिए स्वाधीनता सेनानियों का मनोबल तोड़ने के लिए उनके साथ अपराधियों जैसा बर्ताव किया जाता था। उन्हें यह अहसास नहीं होने दिया जाता था कि वे स्वतंत्रता सेनानी और राजनैतिक कैदी हैं। अतः वे अपराधियों के साथ रखे जाते और उनके साथ उन्हीं की तरह व्यवहार किया जाता था।

---

Sources: Govindo Sir – Hindi Teacher, BMSSS

Hindi Guide Book